पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट

असामयिक यौवन (प्यूबर्टी): परिवारों के लिए मार्गदर्शक जानकारी

असामयिक यौवन (प्यूबर्टी) की परिभाषा क्या है?

यौवन को यौन विशेषताओं की उपस्थिति से परिभाषित किया गया है:

- लड़कियों में स्तन विकास और जघन के बाल
- लड़कों में अंडकोष (टेस्टिस) और लिंग के आकार का बढ़ना और जघन के बालों में बढ़ोतरी

लड़कियों में 8 साल की उम्र से पहले और लड़कों में 9 साल की उम्र से पहले यौवन की शुरूआत को असामयिक यौवन (precocious) कहते हैं।

असामयिक यौवन के लक्षण क्या होते हैं?

- **लड़कियों में:** स्तन का निरंतर विका स, अत्यधिक विकास गति, और माहवारी की जल्दी शुरुआत (आमतौर पर स्तन की उपस्थिति के 2-3 साल बाद माहवारी शुरू होती है)
- **लड़कों में:** अंडकोष और लिंग के आकार का बढ़ना, मांसपेशियों का विकास, शरीर के बाल आना, विकास गति बढ़ना और आवाज़ का भारी होना

असामयिक यौवन के क्या कारण होते हैं?

- सामान्य यौवन प्रक्रिया का तेज होना
- पिट्यूटरी ग्रंथि या हाइपोथैलेमस ग्रंथि में असामान्यताएँ (माध्यमिक असामयिक यौवन या central precocious puberty)
- यदि सेक्स हार्मोन बनाने वाली ग्रंथियाँ (लड़कियों में अंडाशय और लड़कों में अंडकोष), समय से पहले काम करना शुरू दें (परिधीय असामयिक यौवन, या peripheral precocious puberty)
- समयपूर्व एड्रेनर्की: 8 वर्ष से कम उम्र की लड़कियां और 9 साल से कम उम्र के लड़कों में जघन और/या बग़लों के बालों का प्रकट होना। इस अवस्था के इलाज की ज़रूरत नहीं पड़ती।
- एंड्रोजन या एस्ट्रोजन युक्त क्रीम या दवाई का उपयोग

असामयिक यौवन का डायगनोसिस कैसे होता है?

- विकास चार्ट की समीक्षा करने
- बच्चे का शारीरिक परीक्षण
- रक्त में LH, FSH और एस्ट्रोजन नामक पिट्यूटरी हार्मोन के स्तर की जांच करके
- Leuprolide स्टिम्युलेशन टेस्ट
- हाथ का एक्सरे (बोन एज)
- दिमाग़ का एम. आर. आई (MRI)

असामयिक यौवन का इलाज कैसे किया जाता है?

माध्यमिक असामयिक यौवन के इलाज के कुछ तरीक़े हैं। इलाज का लक्ष्य है पिट्यूटरी ग्रंथि के हार्मोन LH, FSH का उत्पादन बंद करना। इससे एंड्रोजन या एस्ट्रोजन का उत्पादन बंद होगा और यौवन के लक्षणों की गति धीमी हो पाएगी। लड़कियों में माहवारी की शुरुआत भी देरी से हो पाएगी। इस इलाज से कद के विकास के लिए ज़्यादा समय मिलेगा। यह इलाज टीके (मासिक या हर 3 महीने) या एक इम्प्लांट (implant) के जरिए दिया जाता है।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY